Date
6/05/2020

Subject - (Contemporary India and Education)
Topic - (NCTE)

B.Ed. ①
Ist Year

NCTE के कार्य

1) अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पक्षो से सम्बन्धित सर्वेक्षण एवं अध्ययन करना व प्राप्त परिणामो को प्रकाशित करना।
2) अध्यापक शिक्षा संस्थाओ की स्वीकृति या सम्बद्धीकरण से सम्बन्धित नियमो का निर्धारण कर उन्हे मान्यता एवं सम्बद्धीकरण प्रदान करना।
3) शिक्षको की नियुक्ति के लिए योग्यता का निर्धारण करना।
4) अध्यापक शिक्षा के विभिन्न स्तरो के पाठ्यक्रमो का मूल्यांकन करना और उनमे सुधार व उन्नयन के लिए योजनाएं प्रस्तावित करना।
5) विभिन्न स्तरो के अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों मे प्रवेश के नियम, प्रवेश की प्रक्रिया, पाठ्यक्रम की अवधी, शुल्क आदि के विषय मे दिशा-निर्देश देना।
6) स्वीकृत संस्थाओ की जवाबदेही के लिए मानदण्ड एवं मूल्यांकन पद्धति का निर्धारण करना।
7) मानको के अनुसार कार्य न करने वाली संस्थाओ की मान्यता समाप्त करना।
8) अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम मे नवीन पाठ्यक्रमो और गतिविधियो के समावेश के लिए आवश्यक निर्देश जारी करना।
9) अकादमिक गतिविधियो का आयोजन करना।
10) शिक्षक विकास कार्यक्रमो के लिए नवीन संस्थाओ की स्थापना करना।
11) अध्यापक शिक्षा को व्यापारीकरण से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाना।
12) अध्यापक शिक्षा प्रगति मे समन्वय स्थापित करना।
13) केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर निर्देशित कार्यक्रमो को पूरा करना।
14) अध्यापक शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए हर सम्भव प्रयास करना।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

NCTE के कार्यों की समीक्षा

सकारात्मक पक्ष :-

1) देश में पत्राचार माध्यम से बी० एड० कराने वाली शिक्षा संस्थाओं को प्रतिबन्धित किया और दूरगामी शिक्षा के माध्यम से बी० एड० के दिशा निर्देश जारी किए।

2) अध्यापक शिक्षा में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों के स्नातक/स्नातकोत्तर स्तर पर न्यूनतम 50% प्राप्तांक को अनिवार्य बनाया।

3) अध्यापक शिक्षा में अस्थायी प्रवेश पर प्रतिबन्ध लगाया और अध्यापक शिक्षा में शिक्षक छात्र अनुपात 1:10 किया।

4) अध्यापक शिक्षा प्रदान करने वाली प्रत्येक संस्था को NCTE से मान्यता लेना अनिवार्य किया।

5) शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं में कार्यदिवसों का निर्धारण किया गया।

6) बी० एड० एवं एम एड० के पाठ्यक्रम को एक वर्ष से बढ़ाकर सन् 2015 से दो वर्ष कर दिया गया।

7) अध्यापक शिक्षा के विभिन्न स्तरों के पाठ्यक्रम को निर्धारित किया गया।

नकारात्मक पक्ष :-

NCTE के नकारात्मक पक्ष बिन्दु निम्नलिखित हैं —

1) बिना कोई योजना बनाये स्ववित्तपोषित शिक्षा संस्थाओं को मान्यता दी गयी है, जिससे देश में इनका जाल सा बिछ गया है। कुछ ही दूरी पर यह संस्थाएं देखने को मिल रही है।

2) अध्यापक शिक्षा - संस्थाओं की मान्यता के मानक तो बहुत आकर्षक और कठोर है लेकिन इस पर अमल नहीं किया जा रहा है।

3) शिक्षकों के लिए न्यूनतम योग्यता और वेतनमान निर्धारित किये गए है परन्तु इनका पालन कुछ ही संस्थाओं में किया जा रहा है। ब शिक्षा संस्थाओं में ली जाने वाली फीस में बहुत भिन्नता है।

4) शिक्षक छात्र अनुपात 1:10 केवल कागजों तक सीमित है। उसका पालन नहीं किया जाता है।

5) सभी शिक्षा - संस्थाओं में समन्वय स्थापित करने में भी परिषद् निष्फल रही।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

(3)

6.) अधिकांश छात्र Question Banks or guides पढ़कर परीक्षा मे सम्मिलित होते है पाठ्य-पुस्तको के नाम की भी जानकारी नही होती। इस स्थिति मे NCTE ने कोई कदम नही उठाया।

7.) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद अध्यापक शिक्षा मे बढ़ते व्यापारीकरण को रोकने मे सफल नही हो सकी।

अत: निष्कर्ष रूप मे कहा जा सकता है कि अच्छी भावना से, अच्छे उद्देश्य निर्धारित करते हुए, अध्यापक शिक्षा मे क्रान्तिकारी सुधार करने हेतु राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की स्थापना की गई थी। परिषद ने अनेक अच्छे कार्य किए है, अनेक अच्छी योजनाएँ बनायी है और उनको क्रियान्वित करने का प्रयास भी किया है लेकिन भ्रष्टाचार के कारण यह अपने उद्देश्यो मे सफल नही हो पायी है। उद्देश्यो की सफलता के लिए NCTE के दायित्व है कि वह मानको के अनुसार कार्य न करने वाली संस्थाओ की मान्यता रद्द करे और पारदर्शिता के साथ अपने कर्तव्यो का निर्वहन करें। शिक्षको व छात्रो को भी अपने-अपने दायित्वों को सत्यनिष्ठा कर्मठता और ईमानदारी से निभाना चाहिए।

Complete

Kudhi Tyagi

6/05/2020

Scanned with CamScanner